कक्षा - 8

सामाजिक विज्ञान

अध्याय 5: सार्वभौमिक मताधिकार और भारत की निर्वाचन प्रणाली

प्रश्न और क्रियाकलाप

प्रश्न 1. एक स्वस्थ लोकतंत्र के लिए सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार क्यों महत्वपूर्ण है?
उत्तर:
- सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार का अर्थ है कि सभी वयस्क नागरिकों को मतदान का अधिकार हो।
- इससे सभी नागरिकों को सरकार चुनने का समान अवसर मिलता है।
- यह अमीर-गरीब, जाति, धर्म और लिंग के भेदभाव को कम करता है।
- इससे लोकतंत्र मजबूत और अधिक न्यायपूर्ण बनता है।

प्रश्न 2. 'गुप्त मतदान' का क्या अर्थ है? यह लोकतंत्र में क्यों महत्वपूर्ण है?
उत्तर: गुप्त मतदान का अर्थ है कि मतदाता किसे वोट देता है, यह किसी को पता नहीं चलता।
- इससे मतदाता बिना डर या दबाव के वोट दे सकता है।
- यह स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के लिए आवश्यक है।
- इससे लोकतंत्र में लोगों का विश्वास बढ़ता है।

MUKUTclasses

प्रश्न 3. प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष चुनावों के उदाहरण दीजिए।
उत्तर:

प्रत्यक्ष चुनाव	अप्रत्यक्ष चुनाव
इसमें जनता सीधे प्रतिनिधि चुनती है। उदाहरण: लोकसभा चुनाव, विधानसभा चुनाव।	इसमें जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधि किसी व्यक्ति को चुनते हैं। उदाहरण: राष्ट्रपति चुनाव, राज्यसभा चुनाव।

प्रश्न 4. लोकसभा के सदस्यों का चुनाव, राज्यसभा के सदस्यों के चुनाव से किस प्रकार भिन्न है?
उत्तर:
लोकसभा चुनाव:
- लोकसभा के सदस्य जनता द्वारा सीधे चुने जाते हैं।
- यह प्रत्यक्ष चुनाव होता है।
- सदस्य किसी संसदीय क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं।

राज्यसभा चुनाव:
- राज्यसभा के सदस्य राज्यों की विधानसभाओं के निर्वाचित सदस्य चुनते हैं।
- यह अप्रत्यक्ष चुनाव होता है।
- राज्यसभा राज्यों का प्रतिनिधित्व करती है।

प्रश्न 5. आपके विचार से मतपत्रों की तुलना में ई.वी.एम. के क्या-क्या लाभ हैं?

उत्तर:

- ई.वी.एम. से मतदान जल्दी होता है।
- वोटों की गिनती तेजी से होती है।
- कागज की बचत होती है।
- गलत या अमान्य वोटों की संभावना कम होती है।
- चुनाव परिणाम जल्दी घोषित किए जा सकते हैं।

प्रश्न 6. भारत के कुछ नगरीय क्षेत्रों में मतदान प्रतिशत में कमी आ रही है। इस प्रवृत्ति के क्या कारण हो सकते हैं और अधिक लोगों को मतदान हेतु प्रोत्साहित करने के लिए क्या कदम उठाए जा सकते हैं?

उत्तर:

कारण:

- लोगों में राजनीति के प्रति रुचि कम होना।
- छुट्टी को आराम या घूमने के लिए उपयोग करना।
- मतदान केंद्र तक जाने में असुविधा।
- मतदाता सूची में नाम न होना।
- यह सोचना कि "मेरे एक वोट से क्या फर्क पड़ेगा।"

उपाय:

- मतदान के महत्व पर जागरूकता अभियान चलाना।
- स्कूलों और समाज में मतदाता शिक्षा देना।
- मतदान केंद्रों पर अच्छी व्यवस्था करना।
- मतदाता सूची में नाम जोड़ने की प्रक्रिया आसान बनाना।
- युवाओं को मतदान के लिए प्रेरित करना।

प्रश्न 7. आपके विचार में लोकसभा की कुछ सीटें अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित क्यों होती हैं? एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

उत्तर:

- अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों को इतिहास में सामाजिक और आर्थिक भेदभाव का सामना करना पड़ा।
- आरक्षण से उन्हें संसद में प्रतिनिधित्व मिलता है।
- इससे उनकी समस्याएँ और आवश्यकताएँ सरकार तक पहुँचती हैं।
- यह सामाजिक न्याय और समानता को बढ़ावा देता है।

प्रश्न 8. सोशल मीडिया हमारे चुनावी अनुभव के तरीके को बदल रहा है- आकर्षक प्रचार रीलों और लाइव भाषणों से लेकर इंस्टाग्राम और ट्विटर पर राजनैतिक वाद-विवाद तक। क्या यह लोकतंत्र को सशक्त बना रहा है या इसे उलझा रहा है? समूह बनाकर चर्चा कीजिए - इसके लाभ एवं चुनौतियाँ क्या हैं और डिजिटल युग में चुनावों का भविष्य क्या हो सकता है?

उत्तर:

लाभ:

- मतदाताओं तक जानकारी जल्दी पहुँचती है।
- युवा राजनीति से जुड़ते हैं।
- नेता सीधे जनता से संवाद कर सकते हैं।
- चुनावी मुद्दों पर चर्चा बढ़ती है।

चुनौतियाँ:

- झूठी खबरें तेजी से फैल सकती हैं।
- अफवाहें और नफरत फैलने का खतरा रहता है।
- लोग बिना जाँच किए जानकारी पर विश्वास कर लेते हैं।
- प्रचार कभी-कभी भ्रम पैदा कर सकता है।

निष्कर्ष:

- सोशल मीडिया लोकतंत्र को मजबूत भी कर सकता है और उलझा भी सकता है।
- इसका सही उपयोग, तथ्य-जाँच और जिम्मेदार व्यवहार बहुत जरूरी है।

प्रश्न 9. वेबसाइट https://www.indiavotes.com पर जाएँ और किसी भी वर्ष के एक निर्वाचन संसदीय चुनाव क्षेत्र के परिणामों का अध्ययन करें। अपने राज्य के किसी विधान सभा चुनाव का भी इसी प्रकार अध्ययन करें।
उत्तर:

उदाहरण: संसदीय चुनाव क्षेत्र
चुनाव क्षेत्र: सोनीपत
चुनाव का प्रकार: लोकसभा चुनाव
अध्ययन के बिंदु:

- कुल उम्मीदवारों की संख्या
- विजेता उम्मीदवार का नाम
- विजेता दल का नाम
- प्राप्त मत
- निकटतम प्रतिद्वंदी
- जीत का अंतर

उदाहरण: विधानसभा चुनाव क्षेत्र
चुनाव क्षेत्र: अपने क्षेत्र की विधानसभा सीट
चुनाव का प्रकार: विधानसभा चुनाव
अध्ययन के बिंदु:

- विजेता उम्मीदवार का नाम
- राजनीतिक दल
- कुल मत
- दूसरे स्थान पर रहे उम्मीदवार
- जीत का अंतर

निष्कर्ष:

- ऐसे अध्ययन से हमें चुनाव परिणाम, मतदाताओं की पसंद और राजनीतिक दलों की स्थिति को समझने में सहायता मिलती है।

MUKUTclasses

To get notes visit our website

mukutclasses.in